Nagaland Forest Delegation Visits ICFRE-RFRI Jorhat to Strengthen Research and Livelihood Ties

A delegation of Senior Forest Officers from Government of Nagaland, led by Shri Y. Kikheto Sema, IAS, Principal Secretary, Department of Environment, Forest & Climate Change, Government of Nagaland, visited ICFRE–Rain Forest Research Institute, Jorhat (Assam) on 6 March, 2026 to explore opportunities for collaboration in forestry research and sustainable livelihood development.

Dr. Nitin Kulkarni, Director of the Institute welcomed the dignitaries with traditional phulan gamosa. Dr. Dhruba Jyoti Das, Head, Silviculture & Forest Management Division delivered a presentation highlighting the institute's mandates, thrust research areas, and key activities of the Institute. Dr. Satyam Bordoloi, Head, Genetics & Tree Improvement Division delivered a presentation on the overview of agarwood, including its potential and possible areas of collaboration with the Government of Nagaland.

Shri Sema addressed the gathering and emphasized the importance of strengthening research partnerships for promoting agroforestry, livelihood generation, and sustainable forest management in Nagaland. This was followed by remarks from Dr. Nitin Kulkarni, who reiterated the Institute's commitment to support collaborative research and technology transfer.

The programme was conducted by Shri R. K. Kalita, Group Coordinator Research who delivered formal vote of thanks. The delegation later visited Bamboo Nursery, Bambusetum, Tissue Culture Facility, and Bamboo Museum of the Institute.

PHOTO GALLERY: HIGHLIGHTS OF THE EVENT:-

ICFRE-RAIN FOREST

ভাঃ বঃ অঃ শিঃ পঃ- বর্ষা অৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান
भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान
ICFRE-RAIN FOREST RESEARCH INSTITUTE
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH & EDUCATION
Ministry of Environment, Forest & Climate Change, Government of India
WELCOME

ICFRE-RAIN FOREST RESEARCH INSTITUTE, JORHAT,ASSAM

नागालैंड वन प्रतिनिधिमंडल ने अनुसंधान और आजीविका संबंधों को मजबूत करने के लिए भा.वा.अ.शि.प. - व.व.अ.स. जोरहाट का दौरा किया

नागालैंड सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान सचिव श्री वाई.किखेतो सेमा, आईएएस, के नेतृत्व में नागालैंड सरकार के वरिष्ठ वन अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने वानिकी अनुसंधान और सतत आजीविका विकास में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए 6 मार्च, 2026 को भा.वा.अ.शि.प.-रेन फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, जोरहाट (असम) का दौरा किया।

संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने पारंपरिक फुलाम गमोसा से अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. ध्रुब ज्योति दास, प्रमुख, सिल्वीकल्चर और वन प्रबंधन प्रभाग ने संस्थान के जनादेश, मुख्य अनुसंधान क्षेत्रों और संस्थान की प्रमुख गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए एक प्रस्तुति दी। डॉ सत्यम बोरदोलोई, प्रमुख, आनुवंशिकी और वृक्ष सुधार प्रभाग ने अगरवुड के अवलोकन पर एक प्रस्तुति दी, जिसमें इसकी क्षमता और नागालैंड सरकार के साथ सहयोग के संभावित क्षेत्रों को शामिल किया गया।

श्री सेमा ने सभा को संबोधित किया और नागालैंड में कृषि वानिकी, आजीविका सृजन और सतत वन प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान साझेदारी को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद डॉ. नितिन कुलकर्णी ने अपने विचार व्यक्त किए, जिन्होंने सहयोगी अनुसंधान और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का समर्थन करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दोहराया।

कार्यक्रम का संचालन ग्रुप कोऑर्डिनेटर रिसर्च श्री आर.के कलिता ने किया जिन्होंने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव दिया। प्रतिनिधिमंडल ने बाद में संस्थान के बांस नर्सरी, बैम्बूसिटम, ऊतक संवर्धन सुविधा और बांस संग्रहालय का दौरा किया।

फोटो गैलरी: कायाक्रम की मुख्य बातें: -

भाः वः अः शि ः पः- वर्षा अवण्य गवेषणा प्रतिष्ठान
भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान
ICFRE-RAIN FOREST RESEARCH INSTITUTE
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH & EDUCATION
Ministry of Environment, Forest & Climate Change, Government of India
WELCOME

ICFRE-RAIN FOREST RESEARCH INSTITUTE, JORHAT,ASSAM